Chapter 7:

Formation of Company

Part 1

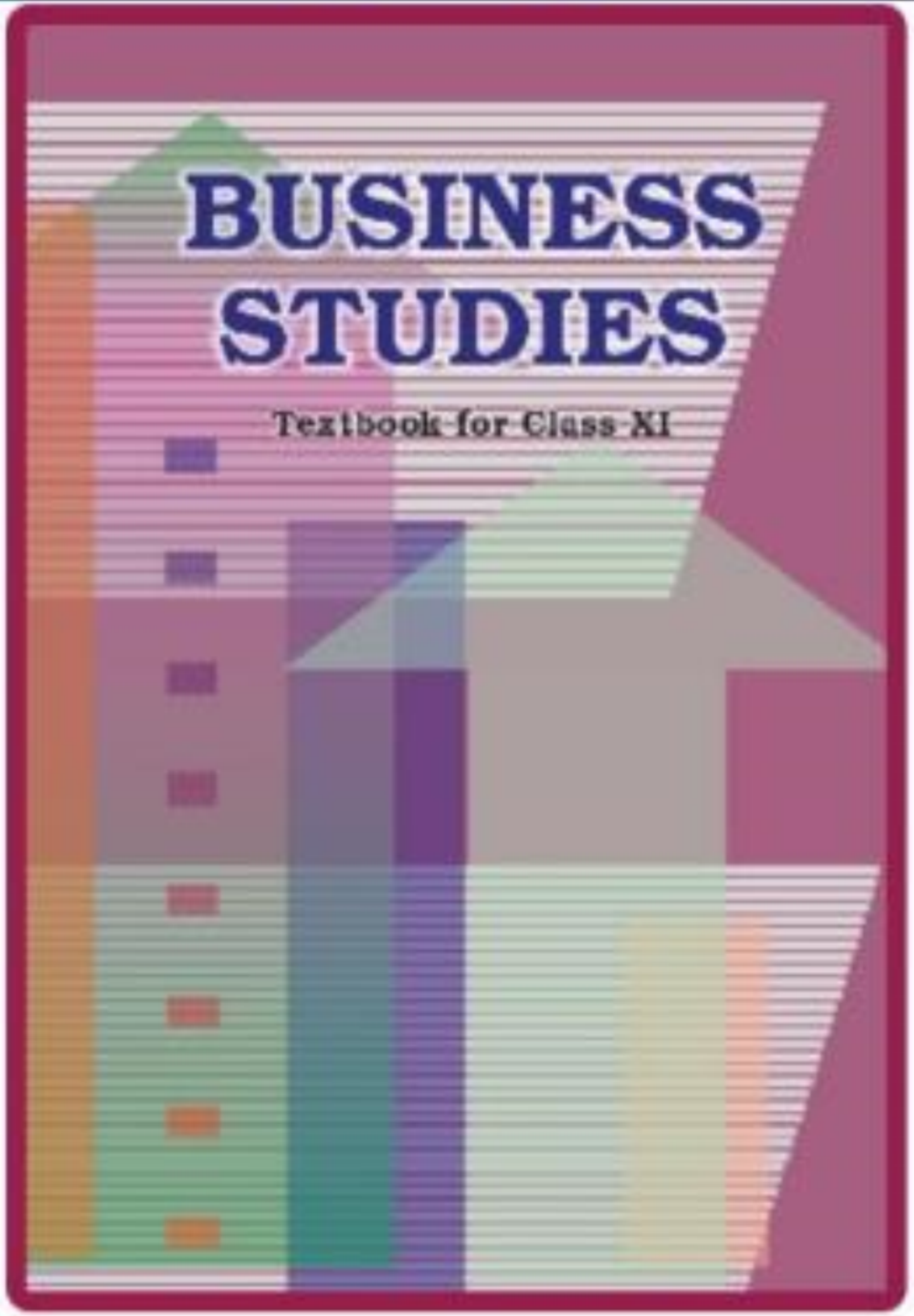

The act which are required from the time a business idea originates to the time, a company is legally ready to commence business are referred:

1. Product Commencement
2. Formation of Company
3. Company Restructuring
4. More than one

किसी व्यावसायिक विचार के जन्म से लेकर कंपनी के व्यवसाय शुरू करने के लिए कानूनी रूप से तैयार होने तक, आवश्यक कार्यों को कहा जाता है:

1. उत्पाद प्रारंभ
2. कंपनी का गठन
3. कंपनी पुनर्गठन
4. एक से अधिक

Idea

To fully understand the process of forming a company one can divide the formalities into distinct stages, which are:

(i) Promotion
(ii) Incorporation
(iii) Subscription of capital
(iv) Commercialization

1. Only I and ii
2. Only ii and iii
3. Only i, ii and iii
4. All of the above

कंपनी बनाने की प्रक्रिया को पूरी तरह से समझने के लिए, औपचारिकताओं को अलग-अलग चरणों में विभाजित किया जा सकता है, जो इस प्रकार हैं:

i. प्रचार
ii. निगमन
iii. पूँजी अर्जन
iv. व्यावसायीकरण

1. केवल I और ii
2. केवल ii और iii
3. केवल i, ii और iii
4. उपर्युक्त सभी

- To fully understand the process one can divide the formalities into three distinct stages, which are: (i) Promotion; (ii) Incorporation and (iii) Subscription of capital.
- It may, however, be noted that these stages are appropriate from the point of view of formation of any kind of company. Private company as against the public limited company is prohibited to raise funds from public, it does not need to issue a prospectus and complete the formality of minimum subscription.

- इस प्रक्रिया को पूरी तरह से समझने के लिए, औपचारिकताओं को तीन अलग-अलग चरणों में विभाजित किया जा सकता है: (i) प्रचार; (ii) निगमन और (iii) पूँजी अर्जन।
- हालाँकि, यह ध्यान देने योग्य है कि ये चरण किसी भी प्रकार की कंपनी के गठन की दृष्टि से उपयुक्त हैं। सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी के विपरीत, निजी कंपनी को जनता से धन जुटाने की अनुमति नहीं है, इसलिए उसे विवरणिका जारी करने और न्यूनतम अर्जन की औपचारिकता पूरी करने की आवश्यकता नहीं होती है।

…….to form a company, then, they are said to be the promoters of the company.

I. A person
II. A group of persons
III. A company proceeds

1. Only i
2. Only i and ii
3. Only ii and iii
4. Only i, ii and iii

…….कंपनी बनाने के लिए, तो उन्हें कंपनी का प्रवर्तक कहा जाता है।

I. एक व्यक्ति
II. व्यक्तियों का एक समूह
III. एक कंपनी आगे बढ़ती है

केवल i
केवल i और ii
केवल ii और iii
केवल i, ii और iii

- Promotion is the first stage in the formation of a company. It involves conceiving a business idea and taking an initiative to form a company so that practical shape can be given to exploiting the available business opportunity.
- Any person or a group of persons or even a company may have discovered an opportunity. If such a person or a group of persons or a company proceeds to form a company, then, they are said to be the promoters of the company.
- किसी कंपनी के गठन में प्रमोशन पहला चरण है। इसमें एक व्यावसायिक विचार की कल्पना करना और कंपनी बनाने की पहल करना शामिल है ताकि उपलब्ध व्यावसायिक अवसर का व्यावहारिक रूप से लाभ उठाया जा सके।
- किसी व्यक्ति, व्यक्तियों के समूह या यहाँ तक कि किसी कंपनी ने भी किसी अवसर की खोज की हो। यदि ऐसा व्यक्ति, व्यक्तियों का समूह या कोई कंपनी कंपनी बनाने के लिए आगे बढ़ती है, तो उसे कंपनी का प्रमोटर कहा जाता है।

Company Law

As per section 69 a promoter means a person:/-धारा 69 के अनुसार, प्रवर्तक से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है:/-

(a) Who has been named as such in a prospectus or is identified by the company in the annual return referred to in section 92;

(b) Who has control over the affairs of the company, directly or indirectly whether as a shareholder, director or otherwise;

(c) In accordance with whose advice, directions or instructions the Board of Directors of the company is accustomed to act.

I. जिसका नाम प्रॉस्पेक्टस में दिया गया हो या जिसकी पहचान कंपनी द्वारा धारा 92 में निर्दिष्ट वार्षिक विवरणी मे की गई हो;

II. जिसका कंपनी के मामलो पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे वह शेयरधारक, निदेशक या अन्य रूप में हो, नियंत्रण हो;

III. जिसकी सलाह, निर्देश या निर्देशों के अनुसार कंपनी का निदेशक मंडल कार्य करने का आदी हो।

1. Only i
2. Only i and ii
3. Only ii and iii
4. Only i, ii and iii

- Section 92 of the Companies Act, 2013, mandates that every company prepare and file an Annual Return with the Registrar of Companies (ROC) annually.
- A prospectus is a formal document released by a company when offering its shares for sale. It presents detailed information about the company's business operations, financial position, and the specific reasons for issuing shares. The primary purpose of a prospectus is to ensure that potential investors can make well-informed decisions before committing their money.
- कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92 के अनुसार, प्रत्येक कंपनी को रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) के समक्ष वार्षिक रिटर्न तैयार करके दाखिल करना अनिवार्य है।
- प्रॉस्पेक्टस एक औपचारिक दस्तावेज़ होता है जो किसी कंपनी द्वारा अपने शेयरों की बिक्री के लिए पेशकश करते समय जारी किया जाता है। इसमें कंपनी के व्यावसायिक संचालन, वित्तीय स्थिति और शेयर जारी करने के विशिष्ट कारणों के बारे में विस्तृत जानकारी होती है। प्रॉस्पेक्टस का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संभावित निवेशक निवेश करने से पहले सोच-समझकर निर्णय ले सकें।

Which of the following is not the function of Promoter:

(i) Identification of business opportunity
(ii) Feasibility studies
(iii) Name approval
(iv) Appointment of professionals

1. Only I and ii
2. Only I, ii and iv
3. Only iii
4. None of the above

निम्नलिखित में से कौन सा प्रमोटर का कार्य नहीं है:

I. व्यावसायिक अवसर की पहचान
II. व्यवहार्यता अध्ययन
III. नाम अनुमोदन
IV. पेशेवरों की नियुक्ति

1. केवल I और ii
2. केवल I, ii और iv
3. केवल iii
4. उपर्युक्त में से कोई नहीं

Function of Promoter:

1. Identification of business opportunity
2. Feasibility studies
3. Name approval
4. Fixing up Signatories to the Memorandum of Association
5. Appointment of professionals
6. Preparation of necessary documents

प्रमोटर का कार्य

I. व्यावसायिक अवसर की पहचान
II. व्यवहार्यता अध्ययन
III. नाम अनुमोदन
IV. संस्था के ज्ञापन पर हस्ताक्षरकर्ताओं का निर्धारण
V. पेशेवरों की नियुक्ति
VI. आवश्यक दस्तावेज़ तैयार करना

- MOA
- AOA

Appiko movement was first led by :-

1. Sunderlal Bahuguna
2. Rajiv Gandhi
3. Ramdev Mishra
4. Pandurang Hegde

अप्पिको आंदोलन का नेतृत्व सबसे पहले किसने किया था:-

1. सुंदरलाल बहुगुणा
2. राजीव गांधी
3. रामदेव मिश्र
4. पांडुरंग हेगड़े

- The Chipko Movement was initiated by Sunderlal Bahuguna in 1973. It was a conservation movement, an uprising against the felling of trees and maintaining ecological balance IN Chamoli, UK
- In Karnataka, a similar movement took a different name, 'Appiko', which means to hug. On 8 September 1983, when the felling of trees was started in Salkani forest in Sirsi district, 160 men, women and children hugged the trees and forced the woodcutters to leave. The Appiko movement was led by Pandurang Hegde